भारतीय जन संचार संस्थान का सत्रारंभ कार्यक्रम

- IIMC के सत्रारम्भ कार्यक्रम से जुड़कर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। आज का दिन आप सभी विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण दिन है। देश के सबसे प्रतिष्ठित मीडिया शिक्षण संस्थान IIMC के साथ, आपकी जो यात्रा शुरू हुई है, वो आप सभी के स्वर्णिम भविष्य का पहला पड़ाव है।

- भारतीय जन संचार संस्थान देश में पत्रकारिता प्रशिक्षण के क्षेत्र की एक प्रतिष्ठित संस्था रही है। अपनी 56 वर्षों की यात्रा में IIMC ने मीडिया शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी एक उत्कृष्ट पहचान बनाई है।

- यहाँ के छात्र आज देश में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी मीडिया, सूचना और संचार संगठनों का नेतृत्व कर रहे हैं। यह दिखाता है कि हमारे देश के युवा कितने प्रतिभाशाली हैं, कितने परिश्रमी हैं। मैं इस सत्र में प्रवेश पाने वाले सभी विद्यार्थियों को इस उत्कृष्ट केंद्र का हिस्सा बनने पर बधाई देता हूं।

- मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। विश्व में जहां कहीं भी लोकतान्त्रिक व्यवस्था है, वहाँ स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मीडिया इस लोकतंत्र को सशक्त बनाता है।

- भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही सामाजिक-राजनैतिक चेतना जागृत करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हमारे स्वतंत्रता संग्राम के मनीषी एक स्वतंत्र लोकतान्त्रिक देश में मीडिया की प्रभावी भूमिका को भली भांति समझते थे।

- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का कहना था कि एक पत्रकार का कर्तव्य है कि वह देश के जनमानस को समझे और बिना किसी भय के उसे मुखर अभिव्यक्ति दे। पत्रकार का दायित्व है कि वह देश की सामाजिक राजनैतिक चेतना का वाहक हो। पत्रकारिता का उद्देश्य मात्र समाज सेवा ही होना चाहिए। महात्मा गांधी के ये वचन, पत्रकारिता के लिए मूलमंत्र है और पत्रकारिता के विद्यार्थियों को इसे आत्मसात करना अत्यंत आवश्यक है।

- बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी ने कहा था कि लोकतंत्र की सफलता इस बात से निश्चित होती है कि वहाँ की मीडिया कितनी स्वतंत्र है तथा कितनी प्रभावी है।

- साथियो, मीडिया की भूमिका के बारे में हमारे महापुरुषों की एक स्पष्ट सोच थी। हमें उसी सोच को अपना मार्गदर्शक बनाते हुए आगे बढ़ना होगा।

- आज पूरा देश स्वतंत्रता की हीरक जयंती के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। हमारी 75 वर्षों की यह यात्रा विभिन्न आर्थिक सामाजिक क्षेत्रों में हमारी प्रगति की यात्रा रही है। इन 75 वर्षों में भारतीयों ने अपने परिश्रम, इनोवेशन और उद्यमशीलता से देश को सशक्त बनाया है।

- आज हम प्रगति के जिस पड़ाव पर हैं, वह हमारे किसानों, हमारे श्रमिकों, उद्यमियों, बहादुर जवानों के साथ साथ अनगिनत पत्रकारों के भी अथक प्रयासों का प्रतिफल है। पूरी दुनिया हमारी कर्मठता, हमारे नवाचारों, हमारी संकल्प शक्ति और सामूहिकता की शक्ति से परिचित है।

- ज्ञान-विज्ञान से समृद्ध भारत आज मंगल से लेकर चंद्रमा तक अपनी छाप छोड़ रहा है। आज भारत की सेना का सामर्थ्य अपार है, तो आर्थिक रूप से भी हम तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं।

- आज भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम, दुनिया में आकर्षण का केंद्र बना है। आज दुनिया के हर मंच पर भारत की क्षमता और प्रतिभा की गूंज है।

- हमें इस बात पर गर्व है कि हमने विकास और समृद्धि की यह यात्रा संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप चलते हुए प्राप्त की है। यह हमारे पत्रकारों और इतिहासकारों के लिए गहन शोध का विषय होना चाहिए कि किस प्रकार हमारा विशाल, विविधतापूर्ण देश आज एकता और सामूहिकता से आगे बढ़ रहा है।

- आज मीडिया का प्रसार अत्यन्त व्यापक है। सूचना प्रौद्योगिकी के प्रसार के कारण आपकी खबरें देश के कोने कोने में तत्काल पहुँच रही हैं। प्रिंट मीडिया के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के बढ़ते आयाम से पत्रकारिता का दायरा अतीत की तुलना में व्यापक रूप से बढ़ा है।

- इससे आपकी पहुंच और आपकी शक्ति तो बढ़ती ही है, परंतु इससे आपका दायित्व भी कई गुना बढ़ जाता है।

- स्वतंत्रता के समय देश में मीडिया की संख्या भी कम थी और उनकी reach भी सीमित थी। परंतु उस समय भी वे राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक विषयों पर जनमत का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे।

- आज आपका दायित्व है कि आप अपने stories के माध्यम से जनता को शिक्षित करें, सही सूचना का प्रसार करें तथा देश में एक रचनात्मक और सकारात्मक संदेश पहुंचाने का प्रयास करें।

- आप सभी पत्रकारिता की शिक्षा ग्रहण करने वाले हैं। आपको स्मरण रखना चाहिए कि मीडिया को Responsible, Responsive तथा Reachable होना बहुत जरूरी है।

- मैंने देखा है कि हमारी मीडिया ज्यादातर बड़े शहरों तक ही सीमित रह जाती है। पर आपको वास्तविक stories हमारे गांवों में, हमारे किसानों मजदूरों के पास मिलेंगी। **ग्रामीण भारत ही हमारे देश की आत्मा है। आपको उस आत्मा तक पहुंचना होगा।**

- मीडिया की एक सामाजिक जिम्मेदारी भी होती है। मीडिया सरकारों और राजनैतिक दलों की जवाबदेही अवश्य तय करे, लेकिन यह कार्य जनसरोकारों को केंद्र में रखकर ही होना चाहिए।

- मीडिया शासन-प्रशासन तथा जनता के बीच द्विपक्षीय संवाद को सुगम बनाता है और दोनों के बीच पुल का काम करता है। महामारी के इस दौर में मीडिया की यह भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। संक्रमण के विरुद्ध इस अभियान में, केंद्र और राज्य सरकारों, दोनों ने अपने अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

- मेरा मानना है कि डिजिटल मीडिया खासकर सोशल मीडिया ने देश और दुनिया में एक बड़ी जनसंचार क्रांति को जन्म दिया है। इसने जन-सामान्य को बड़ी सरलता से आपस में जोड़ा है।

- इस विश्वव्यापी जुड़ाव का ही असर है कि आज कोरोना के खिलाफ लड़ाई का एक बड़ा हिस्सा इसी के जरिये लड़ा जा रहा है।

- साथियो, पत्रकारिता का मुख्य काम लोक शिक्षण है जिसे याद रखना बहुत आवश्यक है। लोक शिक्षण के लिए आवश्यक है कि मीडिया आत्मशिक्षण भी करें।

- आपको पत्रकारिता को मात्र एक व्यवसाय अथवा एक Career के रूप में नही लेना है, बल्कि एक पत्रकार के रूप में आप समाज के Conscience Keeper बन जाते हैं। समाज की दृष्टि और बौद्धिक चेतना को राष्ट्र के अनुकूल बनाए रखना भी पत्रकारिता का दायित्व है।

- जब आप reporting का काम करेंगे तो आपके ऊपर कई प्रकार के दबाव भी आएंगे, प्रलोभन भी आएंगे। वैसे समय में आपके सामाजिक दायित्व आपको सही मार्ग दिखाएंगे। आप यह याद रखें कि पत्रकार समाज का दर्पण होते हैं। आपको सच को ही समाज के सामने रखना होता है। अतः, आप सच्चाई के साथ खड़े रहें, निर्भीक रहें, निडर रहें, निष्पक्ष रहें और सच पर अड़े रहें। यह एक सच्चे पत्रकार का कर्त्तव्य है।

- आज से आप अपने जीवन के महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर रहे हैं। आप सदैव याद रखें कि आप पत्रकार होने के साथ-साथ इस देश के भविष्य भी हैं, एक जिम्मेदार नागरिक भी हैं।

- एक पत्रकार के रूप में आप अपने कार्यों से राष्ट्र निर्माण के लिए अधिक प्रभावी रूप से कार्य कर सकते हैं, एक स्वस्थ तथा ज्ञानयुक्त पीढ़ी का निर्माण कर सकते हैं।

- इस अवसर पर मैं आपको सबको हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और आप सभी के लिए इस उत्कृष्ट, उद्देश्यपूर्ण, अद्भुत और चुनौतीपूर्ण करियर में पूर्ण सफलता की कामना करता हूं।

धन्यवाद।